रसूखदारों को बचाने निगम की कारस्तानी

कलेक्टर समेत सभी जिम्मेदारों को अंधेरे में रखकर खोल दिया भदभदा

कैचमेंट में रसूखदारों के बने हैं बंगले, अस्पताल

एनजीटी ने दिए हैं कैचमेंट से कब्जा हटाने के निर्देश

फुल टैंक होने पर ड्रोन से किया जाना था सीमांकन

एफटीएल के बाद खोला गेट

नगर निगम के जलकार्य विभाग के अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग के अनुसार बड़े तालाब का जलस्तर 1666 .80 फीट पहुंच गया था और बारिश भी अधिक हो रही थी. इसी वजह से भदभदा का गेट खोला गया.

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 4 सितंबर. बड़े तालाब के कैचमेंट क्षेत्र के सीमांकन को लेकर चल रही कवायद के बीच शुक्रवार को भदभदा के एक गेट को खोल दिया गया. नगर निगम के अधिकारियों की मौजूदगी में गेट खोले जाने के बाद तालाब के पानी का निकास शुरू हुआ. खास बात यह रही कि जिस एफटीएल स्तर पर ड्रोन से वीडियोग्राफी और गूगल इमेज के जरिए तालाब की वास्तविक सीमा का सर्वे किया जाना था, वह प्रक्रिया गेट खुलने से पहले पूरी नहीं हो सकी.

बड़े तालाब को मूल स्वरूप में लाने के लिए सांसद आलोक शर्मा लंबे समय से प्रयास कर रहे हैं. वहीं कलेक्टर प्रियंक मिश्रा भी एफटीएल के बाद ही तालाब की सीमा का वास्तविक सर्वे कराने और उसके आधार पर कार्रवाई की तैयारी में थे. नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देश भी तालाब के एफटीएल स्तर के आधार पर सर्वे और कार्रवाई से जुड़े हैं. ऐसे में गेट खोले जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं. अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि एफटीएल के स्तर पर तालाब की सीमा का ड्रोन सर्वे कब होगा और गेट खुलने के बाद क्या इस सर्वे की सटीकता पर कोई असर पड़ेगा. शनिवार की बैठक के बाद ही सर्वे की अगली कार्रवाई स्पष्ट हो सकेगी. कैचमेंट में रसूखदारों के बंगले,फार्म हाउस, अस्पताल, कॉलेज, गोदाम और मेरिज गार्डन बने हैं. कहा जा रहा है कि रसूखदारों के अतिक्रमण को बचाने के लिए सर्वे से पहले ही गेट खोल दिए, ताकि कैचमेंट का सहीं सीमांकन न हो पाए.

पर्यावरणविद राशिद नूर खान का आरोप है कि वर्षों से तालाब के कैचमेंट क्षेत्र में हुए अतिक्रमण को हटाने की मांग की जा रही है. उनका कहना है कि एफटीएल के बाद सर्वे होने पर प्रभावशाली लोगों के निर्माण भी चिन्हित हो सकते थे. ऐसे में गेट खोलने से सर्वे की प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका है.

फरवरी में हुआ था सर्वे और सीमांकन

फरवरी में प्रशासन और नगर निगम ने तालाब के कैचमेंट क्षेत्र में अतिक्रमण की पहचान के लिए सर्वे कराया था. इस दौरान नगर निगम, प्रशासन, वन विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए थे. इसके बाद कुछ स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी शुरू की गई .हालांकि कुछ लोगों ने सर्वे में किए गए सीमांकन और चिन्हांकन पर आपत्ति जताते हुए कलेक्टर कार्यालय में शिकायतें कीं. इसके बाद कार्रवाई रोक दी गई. बारिश के दौरान तालाब का जलस्तर बढ़ने और एफटीएल होने का इंतजार किया जाता रहा, ताकि पानी के वास्तविक स्तर के आधार पर दोबारा सीमांकन किया जा सके. अब एफटीएल के आसपास की स्थिति बनने के बावजूद गेट खोल दिए जाने से सर्वे की प्रक्रिया फिर आगे खिसक गई है.

मुझे पहले सूचना नहीं दी गई : कलेक्टर

भदभदा गेट खोले जाने के संबंध में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा कि गेट खोलने से पहले उन्हें सूचना नहीं दी गई थी और इसकी जानकारी बाद में मिली. उन्होंने कहा कि बारिश जारी है, इसलिए आवश्यकता के अनुसार गेट दोबारा बंद किया जाएगा. एफटीएल होने पर ड्रोन से वीडियोग्राफी और गूगल इमेज ली जाएंगी तथा एनजीटी के निर्देशों का पालन किया जाएगा. कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि इस बार सही तरीके से सर्वे कराकर केचमेंट क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी और किसी भी प्रभावशाली व्यक्ति को बचाया नहीं जाएगा.

कैचमेंट में आ सकते हैं सैकड़ों निर्माण

ड्रोन वीडियोग्राफी और गूगल इमेज के आधार पर सीमांकन होता है तो बड़े तालाब के कैचमेंट क्षेत्र में आने वाले सैकड़ों पक्के निर्माण इसकी जद में आ सकते हैं. इनमें अस्पताल, मैरिज गार्डन, गोडाउन, फार्म हाउस, कॉलेज और बड़े आवासीय निर्माण शामिल बताए जा रहे है.

परिस्थितियां अनुकूल होने के बाद ही ड्रोन से वीडियोग्राफी की जाएगी

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी और एनजीटी मामले के नोडल अधिकारी नीतेश चौरसिया ने बताया कि एफटीएल के बाद सीमा का ड्रोन सर्वे अभी नहीं हुआ है. सर्वे को लेकर शनिवार सुबह 9 बजे बैठक रखी गई है. इसमें संबंधित विभागों के अधिकारी और सदस्य मौजूद रहेंगे .उन्होंने बताया कि ड्रोन सर्वे के लिए मौसम का अनुकूल होना जरूरी है. इसके साथ ही एनजीटी के निर्देश के अनुसार निर्धारित जलस्तर पर सर्वे कराया जाना है. दोनों परिस्थितियां अनुकूल होने के बाद ही ड्रोन से वीडियोग्राफी की जाएगी.

नियमों की अनदेखी से जाम में फंसा शहर

फैक्ट्स

- शहर में बेधड़क दौड़ रहे ई-रिक्शा
- रूट से लेकर फिटनेस तक व्यवस्था फेल

प्रांजुल पाण्डेय

भोपाल, 4 अगस्त. शहर में ई-रिक्शा संचालन को लेकर बनाए गए नियम कागजों तक सीमित नजर आ रहे हैं. जिला प्रशासन ने पिछले साल ई-रिक्शा के लिए 12 निर्धारित रूट तय कर अन्य मार्गों पर संचालन प्रतिबंधित किया था, लेकिन प्रमुख सड़कों पर नियमों का खुलेआम उल्लंघन जारी है. चालक कहीं भी वाहन रोककर सवारियां बैठा रहे हैं. बस स्टॉप, फुटपाथ और चौराहों पर ई-रिक्शा खड़े होने से कई इलाकों में यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है.

शहर में 15 हजार से अधिक ई-रिक्शा पंजीकृत बताए जाते हैं. यातायात पुलिस कार्रवाई का दावा करती है, लेकिन सीमित अमले के कारण निर्धारित रूट और पार्किंग नियमों का प्रभावी पालन नहीं हो पा रहा है. ई-रिक्शा चालक यूनियन भी निर्धारित रूट को कम सवारी वाला और अव्यावहारिक बता रही है. इसके चलते वीआईपी रोड, होशंगाबाद रोड और एयरपोर्ट मार्ग समेत शहर के कई प्रमुख हिस्सों में जाम की स्थिति बन रही है. ई-रिक्शा संचालन की अव्यवस्था के साथ वाहनों की फिटनेस भी चिंता का विषय बनी हुई है. वाहन मालिक फिटनेस प्रमाणपत्र बनवाना चाहते हैं, लेकिन परिवहन विभाग के वाहन-4 पोर्टल पर प्रक्रिया अटक रही है. पोर्टल फिटनेस प्रमाणपत्र के लिए पीयूसी प्रमाणपत्र मांग रहा है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रदूषण जांच प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाता. इस तकनीकी खामी के कारण कई ई-रिक्शा नियमित फिटनेस जांच के बिना सड़कों पर चल रहे हैं.

आरटीओ अधिकारियों के अनुसार यात्री और माल ढुलाई में इस्तेमाल होने वाले व्यावसायिक इलेक्ट्रिक वाहनों का हर दो साल में फिटनेस परीक्षण जरूरी है. भोपाल में ट्रैफिक पुलिस के अनुमान के मुताबिक 11 हजार से अधिक ई-रिक्शा संचालित हो रहे हैं. इनमें करीब नौ हजार यात्री और दो हजार मालवाहक ई-रिक्शा हैं.

अधिकारियों के मुताबिक कई यात्री ई-रिक्शा आठ से दस साल पुराने हो चुके हैं. ऐसे वाहनों के ब्रेक, टायर, लाइट और अन्य सुरक्षा उपकरणों की स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई है.

वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में है समस्या

पोर्टल की समस्या वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में है और इलेक्ट्रिक वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र जारी करने के लिए आवश्यक बदलाव किए जा रहे हैं. तकनीकी समस्या दूर होने और निर्धारित रूट पर सख्ती से अमल होने तक ई-रिक्शा की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था दोनों पर सवाल बने रहेंगे

-जितेंद्र शर्मा, आरटीओ

बस सेवा घटने से बढ़ी निर्भरता

शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था कमजोर होने के कारण ई-रिक्शा पर निर्भरता बढ़ी है. कभी भोपाल में 24 मार्गों पर करीब 368 लो-फ्लोर बसें चलती थीं और रोजाना करीब 1.5 लाख यात्री इनका इस्तेमाल करते थे. अब बसों की संख्या घटकर करीब 60 रह गई है और करीब 30 हजार यात्री ही बस सेवा का उपयोग कर पा रहे हैं. ऐसे में ई-रिक्शा बड़ी संख्या में यात्रियों को परिवहन सुविधा दे रहे हैं.

कट्टा-जिंदा कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

भोपाल. अशोका गार्डन पुलिस ने शुक्रवार को एक देशी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ युवक को गिरफ्तार किया. अवैध हथियार के संबंध में आरोपी से पूछताछ की जा रही है. लक्ष्मीबाई स्कूल के पीछे पार्क के पास आरोपी असलम (25) निवासी रंभा नगर खड़ा दिखा. पुलिस को आता देख वह भागने लगा.

शिक्षक सम्मान में राजधानी खाली

भोपाल के शिक्षक सूची में नहीं बना सके जगह

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 4 सितंबर .राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार 2026 पाने वालों में राजधानी से एक भी शिक्षक चयनित नहीं हो सका है. हालांकि सरकार ने प्रदेश के सभी 55 जिलों से कुल 110 शिक्षकों को सम्मानित करने का फैसला लिया गया था, लेकिन कठिन नियमों के चलते इस बार यह संख्या सिमटकर महज 33 रह गई है.

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी अंतिम सूची के अनुसार, कक्षा 1 से 8 के कक्षाओं में 18 और कक्षा 9 से 12 की कक्षाओं के 15 शिक्षकों को मिलाकर कुल 33 शिक्षकों का चयन हुआ है. हालांकि सूची में केवल 15 से 16 जिलों के शिक्षक ही इस चयन प्रक्रिया में जगह बना पाए हैं. बता दें पुरस्कार की दौड़ में शामिल होने के लिए शिक्षकों के लिए 90 प्रतिशत ऑनलाइन उपस्थिति होना अनिवार्य था. इसके साथ ही उनकी कक्षाओं का बोर्ड या वार्षिक परिणाम 100 प्रतिशत होना चाहिए था और छात्रों को कम से कम 80 प्रतिशत अंक मिलना जरूरी था.

विमर्श पोर्टल से हुआ चयन, आज होगा सम्मान

संपूर्ण चयन प्रक्रिया विमर्श पोर्टल के जरिए पूरी की गई है. सबसे पहले जिला चयन समितियों ने योग्य नामों की सिफारिश की थी, जिसके बाद राज्य स्तरीय समिति ने उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन कर अंतिम सूची तैयार की. इन सभी चयनित 33 शिक्षकों को 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में सम्मानित किया जाएगा.

दिनभर रुक-रुककर हुई बारिश

औसत से 2 .61 इंच ज्यादा हो चुकी है बारिश

नवभारत न्यूज

भोपाल, 4 सितंबर. राजधानी में शुक्रवार को दिनभर बादल छाए रहे और अलग-अलग क्षेत्र में रुक-रुककर बारिश हुई. इसी बीच शहर के बोट क्लब व शीतलदास की बगिये के किनारे लोग बारिश व तालाब की लहरों के नजारों का लुफ्त उठाते नजर आये.

भोपाल शहर में बीते 24 घंटे के दौरान 0.33 इंच , बैरागढ़ मौसम केंद्र में 0.70 इंच बारिश दर्ज की गई. एक जून से अब तक भोपाल में 40.15 इंच पानी गिर चुका है, जो इस अवधि की सामान्य बारिश से 2.61 इंच ज्यादा है. बारिश और बादलों के कारण दिन का तापमान सामान्य से नीचे रहा. अधिकतम तापमान 27 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.3 डिग्री कम था. न्यूनतम तापमान 21.2 डिग्री रहा. अधिक नमी के कारण हल्की बारिश रुकने के बाद भी मौसम में ठंडक बनी रही.शहर में लगातार 2 दिन से रिमझिम बारिश का दौर जारी है.इसके चलते शहर के जलाशयों का स्तर बढ़ रहा है, बड़े तालाब का स्तर अपने फुल टैंक लेवल 1666.80 फ़ीट तक पहुंच चुका है. कोलर डैम के पानी का लेवल 460.77 मीटर व केरवा डैम का जल स्तर 1667.53 फ़ीट तक मांपा गया है.

शादी का झांसा देकर महिला से किया दुष्कर्म, मामला दर्ज

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 4 सितंबर. कजलीखेड़ा इलाके में लिव इन में रही एक महिला ने अपने साथी युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगाया है. पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है.

जानकारी के मुताबिक 36 साल की पीड़िता का कहना है कि वह एक नर्सिंग कॉलेज की छात्रा रही है. उसी कॉलेज में काम करने वाले आरोपी विकास अग्निहोत्री से उसकी पहचान साल 2022 में हुई थी. पीड़िता का आरोप है कि विकास ने उसे शादी का झांसा देकर उसका शरीरिक शोषण किया. आरोपी ने इस दौरान कई दिनों तक उसे अपने घर भी रखा. दोनों लंबे समय तक लिव-इन में रहे. कुछ महीने पहले महिला ने जब विकास से शादी की बात कही तो आरोपी मुकर गया.

इस दौरान आरोपी ने पीड़िता से संपर्क भी खत्म कर दिया. परेशान होकर पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई. आरोपी विकास फरार चल रहा है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी है.

जालसाजों ने खातों से निकाले दो लाख

कर्मचारी-बुजुर्ग के खाते से निकले रुपए

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 4 सितंबर. मिसरोद और शाहपुरा इलाके में साइबर ठगी के मामले सामने आए हैं. जालसाजों ने दो लाख से अधिक रुपए बैंक खातों से उड़ा दिए. पुलिस ने मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

मिसरोद निवासी नरेंद्र अग्रवाल (56) मंडीदीप स्थित एक कंपनी में नौकरी करते हैं. 2 सितंबर को उनके मोबाइल पर आए मैसेज से उन्हें बैंक खाते से एक लाख 86 हजार निकलने का पता चला. थाने पहुंचकर नरेंद्र ने इसकी सूचना पुलिस को दी. इधर शाहपुरा भरत नगर निवासी बुजुर्ग सुदामा प्रसाद शर्मा के बैंक खाते से जालसाजों ने पांच बार में 50 हजार रुपये निकाल लिए. बुजुर्ग की तरफ से इस दौरान कोई भी ओटीपी भी साझा नहीं की गई. सुदामा प्रसाद ने बताया कि 9 फरवरी 2025 को वह श्वेता मंदिर के पास एसबीआई के एटीएम से रुपये निकालने पहुंचे थे. इस दौरान मशीन में उनका कार्ड फंस गया था. इसी दौरान एक अंजान व्यक्ति ने उन्हें एटीएम के पास लिखे मोबाइल नंबर पर फोन कर समस्या बताने को कहा. सुदामा प्रसाद ने वैसा ही किया और उनका कार्ड मशीन से बाहर आ गया. इसके बाद उनके खाते से जालसाजों ने कुल 50 हजार रुपये निकाल लिए.

चार लाख रुपये और ज्वेलरी चोरी

भोपाल. निशातपुरा इलाके में शादी के लिए घर में रखे चार लाख रुपये नकद और ज्वेलरी चोरी होने का मामला सामने आया है. आवेश खान निवासी एकता बिलाल कॉलोनी मैकेनिक हैं. आवेश ने पुलिस को बताया कि वह अपने साले की बेटी की शादी के लिए नकद चार लाख रुपये और करीब आधा तोला वजन का सोने का हार भी घर में रखे थे. वह काम पर चले गए. पत्नी भी बाहर गई थी, घर पहुंची तो अंदर रखा सामान गायब पाया. इस दौरान वहां रहने वाली एक महिला किराएदार और दूसरी उनकी रिश्तेदार महिला भी गायब दिखीं.

अनदेखी 50 लाख रुपए में खरीदी गईं थी साइकिलें, अब नई साइकिलों के टेंडर जारी

वन विहार में 200 में से160 साइकिल खराब

सिटी रिपोर्टर

भोपाल, 4 सितंबर. वन विहार में पर्यटकों को प्रकृति के बीच साइकिल से भ्रमण कराने की व्यवस्था रखरखाव के अभाव में बदहाल होती जा रही है. करीब एक साल पहले पर्यटकों की सुविधा के लिए 200 साइकिलें उपलब्ध कराई गई थीं. एक साइकिल की कीमत करीब 25 हजार रुपए होने के हिसाब से इनकी कुल कीमत करीब 50 लाख रुपए है.

इसके बावजूद वर्तमान में करीब 80 प्रतिशत यानी 160 साइकिलें मरम्मत की जरूरत वाली स्थिति में हैं. केवल करीब 40 साइकिलें ही उपयोग के योग्य बताई जा रही हैं.

खास बात यह है कि साइकिल से भ्रमण करने वाले पर्यटकों से 40 रुपए प्रति व्यक्ति शुल्क लिया जाता है. इसके बावजूद यदि अधिकांश साइकिलें खराब पड़ी हैं तो पर्यटकों को शुल्क के बदले कैसी सुविधा मिल रही है, यह बड़ा सवाल है. यानी एक तरफ साइकिल सुविधा के लिए शुल्क लिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में साइकिलें उपयोग से बाहर हैं.ग्राउंड पड़ताल में कई साइकिलों में टायर, ब्रेक, चेन और अन्य तकनीकी हिस्सों से जुड़ी खराबियां सामने आई हैं.बड़ी संख्या में साइकिलें लंबे समय से इस्तेमाल से बाहर बताई जा रही हैं.

साइकिलें एक साल में खराब

सवाल यह है कि 25 हजार रुपए कीमत वाली साइकिलें महज एक साल में इतनी खराब कैसे हो गईं. नियमित सर्विसिंग और रखरखाव पर कितना खर्च हुआ, इसकी जानकारी भी सार्वजनिक की जानी चाहिए. पर्यटकों से शुल्क लेने के बावजूद सुविधा का यह हाल प्रबंधन की रखरखाव व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है.

नई साइकिलों के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है. उम्मीद है कि जल्द ही नई साइकिलों की खेप वन विहार पहुंच जाएगी. पर्यटकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए और साइकिलों का उपयोग करने के बाद उन्हें निर्धारित अधिकृत स्टैंड पर ही खड़ा करना चाहिए.

डॉ. रूही हक, सहायक संचालक,वन विहार